शिक्षा नीति के तहत चार वर्ष के स्नातक उपाधि हेतु निर्मित

हिंदी पाठ्यक्रम की संरचना

कर्नाटक राज्य उच्च शिक्षा आयोग द्वारा नयी शिक्षा नीति के तहत गठित समिति के सदस्यों ने प्राप्त संरचना के आधार पर समय पर समय पर वर्च्युअल मीटिंग के माध्यम से हिंदी के पाठ्यक्रम की संरचना तैयार की है। जिसमें निम्नलिखित सदस्यों ने भागीदारी की।

डॉ. प्रतिभा मुदलियार प्रो. हिंदी अध्ययन विभाग, मैसुर विश्वविद्यालय, मैसूरु-6	**अध्यक्ष**
डॉ. एस. के पवार प्रो. हिंदी अध्ययन विभाग, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड	**सदस्य**
डॉ. शेखर प्रो. हिंदी अध्ययन विभाग, बेंगलुर विश्वविद्यालय, बेंगलुरु	**सदस्य**
डॉ. कांबले अशोक प्रो. हिंदी अध्ययन विभाग, कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूरु	**सदस्य**
डॉ. परिमला अंबेकर प्रो. हिंदी अध्ययन विभाग, गुलबर्गा विश्वविद्याल. कलबुर्गी	**सदस्य**
डॉ. नामदेव गौडा प्रो. हिंदी अध्ययन विभाग, कर्नाटक अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय, विजयपुर	**सदस्य**
ड़ॉ. रामचंद्रप्पा के प्राचार्य, युनिर्वसीटी कॉलेज ऑफ आर्टस्, तुमकुर	**सदस्य**
डॉ नीता हिरेमठ असो. प्रोफेसर, महारानी क्लस्टर युनिर्वसीटी, बेंगलुरु	**सदस्य**
श्री असिफखान दाउद असो. प्रोफेसर, श्री सिद्देश्वर गवर्नमेंट कॉलेज, नरगुंद	**सदस्य**
श्री पद्मनाभ ए.वी. असो. प्रोफेसर, जीएफजीसी, शिवमोगा	**सदस्य**
श्री शिवराम पी असो. प्रोफेसर,जीएफजीसी, कार स्ट्रीट, मंगलुर	**सदस्य**
डॉ, प्रभू उपासे गवर्नमेंट आर्टस कॉलेज, बेंगलुरु	**सदस्य**

डॉ. प्रसन्नकुमार के विशेष अधिकारी, कर्नाटक राज्य उच्च शिक्षा परिषद	**समन्वयक**

प्रस्तावना

हिंदी भाषा और साहित्य के पाठ्यक्रम के निर्माण हेतु गठित समिति इस पाठ्यक्रम की संरचना प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रही है। इस समिति का सुझाव है कि पाठ्यक्रम को लागु करते समय और समिति द्वारा दिए गए सुझावों को अधिमान्य करते समय विश्वविद्यालयों, संस्थाओं और अन्य शिक्षण संस्थाओं सहित अध्यापकों को भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वैश्विक संदर्भों का इसमें समायोजन हो सके।

इस पाठ्यक्रम की संरचना ऐसी की गई है कि इसके अध्ययन के पश्चात हिंदी साहित्य का विद्यार्थी यह जान सके कि साहित्य का विश्लेषण कैसे किया जाए, उसकी सराहना कैसी की जाए और दिए गए पाठ को पढ़ने की समझ किस प्रकार विकसित की जाए ताकि विद्यार्थी भाषा और साहित्य के उद्देश्य से भली भाँति परिचित हो सके। यह उल्लेखनीय है कि चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली में हिंदी भाषा और साहित्य के पाठ्यक्रम की विशिष्ट भूमिका है। प्रस्तावित पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा के तहत पांच स्ट्रीम्स बनायी गयी हैं, जिससे विद्यार्थी अपने अनुशासन के अनुसार हिंदी भाषा का अध्ययन कर सके। साथ ही ओपन इलेक्टीव, स्किल डेवलेपमेंट और वोकेशनल कोर्सिस का भी निर्माण हिंदी में रोज़गार को ध्यान में रखकर किया गया है। बी.ए (बेसिक तथा बी.ए. हॉनर्स में हिंदी भाषा और साहित्य के साथ साथ रोज़गार, प्रादेशिक साहित्य, लोक साहित्य आदि को भी सम्मिलित किया गया है। प्रस्तावित पाठ्यक्रम एक मॉडेल मात्र है। वर्तमान समय सूचना क्रांति का है। यह पाठ्यक्रम रोज़गारपरक शिक्षा देने का कार्य भी करेगा जिससे इसके अध्ययन के बाद विद्यार्थी अपने जीवन का निर्वाह भी उचित ढंग से कर सके। भारत बहुभाषा भाषी देश हैं। विविधता में एकता भारत की पहचान है। इस बात को ध्यान में रखते हुए भाषा एवं साहित्य की दृष्टि से पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। इसमें उल्लेखित पाठों के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी न केवल अपने विवेक को विकसित कर सकते हैं बल्कि विश्लेषण करने में भी समर्थ हो सकते हैं।

पाठ योजना के लिए शिक्षण आधारित दृष्टिकोण

हिंदी साहित्य और भाषा का अध्ययन वैज्ञानिकता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसका सीधा संबंध संवेदना और जीवन से है। विषय के रूप में इसको स्नातक अध्ययन के पाठ्यक्रम में आरंभ से ही न केवल सम्मिलित किया गया है बल्कि उसके विस्तार और नियोजन में विशेष रूप से मानव मूल्यों और सामाजिक यथार्थ को सम्मिलित करने का भी प्रयास किया गया है। साहित्य का संबंध समाज से होता। साहित्यकार समाज की यथार्थ स्थिति का न केवल अवलोकन करता है बल्कि उसे भाषा के माध्यम से साहित्य में रुपायित भी करता है। हिंदी साहित्य समृद्ध है और लोकप्रिय भी है जो गद्य और पद्य में लिखा गया है। हिंदी साहित्य और भाषा के सांस्कृतिक, समाजिक, आध्यात्मिक जैसे अनेक पक्ष हैं और वर्तमान में यह साहित्य मानवतावादी, यथार्थवादी संवेदना और अस्मितामूलक दृष्टि से संपृक्त है। भाषा और लिपि की दृष्टि से हिंदी की वैज्ञानिकता भी असंदिग्ध है। पाठ्यक्रम की दृष्टि से स्नातकों को प्रशिक्षित करने के लिए निम्नांकित बिंदु पर विचार करना आवश्यक है।

- व्यावहारिक प्रशिक्षण
- रोज़गारपरक पाठ्यक्रम का निर्माण
- विवेचन और विश्लेषण की क्षमता का विकास
- संप्रेषण कौशल का विकास
- लेखन प्रवृत्ति का विकास
- मीडिया लेखन का विकास

हिंदी के स्नातक पाठ्यक्रम का उद्देश्य - हिंदी के स्नातक पाठ्यक्रम का उद्देश्य निम्नांकित लक्ष्यों को प्राप्त करना है –

- मूलभूत कौशल श्रवण, लेखन और अभिव्यक्ति का विकास करना।
- भाषा कौशल का विकास करना।
- उच्चारण और लिपि का सही ज्ञान कराना।
- विद्यार्थियों को संवेदनशील नागरिक बनाना।
- एक कुशल वक्ता का निर्माण करना।
- समाज और समुदाय के प्रति संवेदनशील दृष्टि का विकास करना।

- राष्ट्रीय चेतना का विकास करना।
- मानवीय मूल्यों के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण विकसित करना।
- स्थानीय से लेकर अखिल भारतीय साहित्य से परिचित कराना।
- विभिन्न साहित्यिक विधाओं की जानकारी देना।
- समाज के विभिन्न समुदायों के प्रति सहिष्णुता की भावना का विकास करना।
- साहित्यिक विमर्शों से परिचित करना।
- साहित्यिक पाठ और उनके संदर्भों में आलोचनात्मक प्रवृति और कल्पनाशीलता का कौशल निर्माण करना।
- उच्च अध्ययन और अनुसंधान में बहुविषयक दृष्टिकोण स्थापित करना।
- विद्यार्थियों में समावेशी दृष्टिकोण, जिम्मेदार नागरिकता, नैतिक सोच और सामजिक प्रतिबद्धता की भावना का निर्माण करना।
- रोज़गार के लिए उचित व्यावसायिक कौशल में छात्रों को प्रशिक्षित करना।
- तकनीकी रूप से उन्नत विश्व में विद्यार्थियों को इसकी चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करना।
- व्यावहारिक और अनुभवात्मक शिक्षण के लिए सक्षम करना।

स्नातकीय विशेषता

- विषय का ज्ञान
- संप्रेषण कौशल
- आलोचनात्मक दृष्टिकोण
- समस्याओं का समाधान
- विश्लेषणात्मक और तार्किक दृष्टि का विकास
- अनुसंधान कौशल
- वैचारिक स्पष्टता
- बहुसांस्कृतिकता
- नैतिक और सामाजिक मूल्य

हिंदी स्नानतक उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए योग्य निरुपक

हिंदी स्नातक उपाधि प्राप्त करने हेतु योग्यता निरुपक बिंदुओं में मुख्य रूप से शिक्षण के पांच तत्व नियामक होंगे। ये हैं,

- साहित्य और भाषा की समझ
- उनका अनुप्रयोग
- सम्प्रेषण
- विस्तार
- विषय के ज्ञान के आधार पर उसका समग्र विश्लेषण

इन तत्वों में विद्यार्थियों की जागरुकता का वह हिस्सा भी सम्मिलित होगा जिसके तहत वर्ग, लिंग, जाति, समुदाय और धर्म आदि शामिल रहते हैं ताकि इन सब के वैविध्य से विद्यार्थी परिचित हो सकें और पारदर्शिका के साथ इनके उद्देश्यों का, चिंतन का ज्ञान प्राप्त कर सकें। इस तरह यह कहा जा सकता है कि हिंदी पाठ्यक्रम के नियामक बिंदुओं में संप्रेषण, विश्लेषण और तार्किकता का स्पष्ट और मुख्य स्थान रहे। हिंदी में उपाधि प्राप्त करने वाले प्रत्येक स्नातक में निम्नांकित योग्यताओं का विकास आवश्यक है-

- साहित्य का व्यवस्थित ज्ञान प्राप्त हो।
- हिंदी के विकास की पूर्ण जानकारी प्राप्त हो।
- साहित्य का इतिहास, कालखंड, आंदोलन, लेखन, विभिन्न विधाओं की जानकारी प्राप्त हो।
- बदलते वैश्विक परिदृश्य में साहित्य की भूमिका को समझ सके और उसे व्यावसायिक संदर्भों में जोड़ सके।
- अनुवाद के माध्यम से लेखन कौशल का विकास हो सके।
- विवेचना शक्ति का निर्माण हो सके।

- प्रयोजनमूलक हिंदी, पत्रकारिता, मीडिया लेखन के माध्यम से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड सके।
- रोज़गार के क्षेत्र में हिंदी साहित्य और भाषा का महत्व पहचान सके।
- साहित्य के माध्यम से मानवीय मूल्य और संवेदना को विकसित और संप्रेषित करने की योग्यता विकसित हो सके।

यह पाठ्यक्रम विभिन्न स्तरों पर विद्यार्थियों की योग्यता का उन्नयन करने में सहायक हो सकेगा साथ ही साथ यह सामाजिक जटिलताओं को साहित्य के माध्यम से समझाने में भी निर्धारक के रूप में काम करेगा। साहित्य के साथ साथ भाषा की समझ भी विद्यार्थियों में विकसित होगी जिसकी सहायता से विद्यार्थी चिंतन, विश्लेषण और मूल्यांकन से संबंधित आधार बिंदुओं को जान सकेंगे। उनकी रोज़गार पाने की योग्यता तो विकसित होगी ही साथ ही विभिन्न संदर्भों को जान सकेंगे।

परिणाम (Out Come) - इस पाठ्यक्रम के पठन पाठन की दिशा नें निम्मलिखित परिणाम सामने आएंगे।

- हिंदी भाषा की आरंभिक स्तर से लेकर वर्तमान के बदलते रूपों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
- भाषा के सैद्धान्तिक रूप के साथ साथ व्यावहारिक रूप भी जाना जा सकता है।
- उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती, इससे संबंधित परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।
- भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप को भी जान सकते हैं।
- प्रयोजनमूलक हिंदी, पत्रकारिता, अनुवाद आदि के अद्यापन, अध्ययन के द्वारा व्यावसायिकता की क्षमता में बढावा प्राप्त होगा।
- भारतीय साहित्य के अध्ययन से छात्रों के ज्ञान विस्तार तथा अभिव्यक्ति क्षमता में विकास होगा।
- साहित्य के माध्यम से सौंदर्यबोध, नैतिकता, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संबंधी विषयों की समझ विकसित होगी।
- भाषायी और साहित्यिक क्षमता में सघन होंगे।
- गंभीर, समीक्षात्मक और स्वतंत्र चिंतन के लिए सक्षम होंगे।

- अपने विचारों को व्यक्त करने तथा बहुआयामी व्याख्याओं को समझने के लिए तैयार होंगे।
- रचनात्मकता में अभिरूचि का निर्माण होगा।
- साहित्येतिहास के अध्ययन से साहित्यकार के युगबोध का परिचय होगा।
- काव्यशास्त्रिय सिद्धान्तों के अध्ययन से विश्लेषण की क्षमता का निर्माण होगा।
- वर्तमान तकनीकी वातावरण में हिंदी के प्रयोग में दक्ष होंगे।
- अनुवाद, रिपोर्ट लेखन, कविता, कहानी आदि की प्रस्तुति का अनुभव प्राप्त करेंगे।

शिक्षण पद्धति (Pedagogy)

सीखने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा की दक्षता को मजबूत बनाना होगा। विद्यार्थी हिंदी भाषा में नएपन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें। अपनी भाषा में व्यवहार और निपुणता प्राप्त कर सकें। साहित्य की समझ विकसित कर सकें तथा आलोचनात्मक एवं साहित्यक विवेक निर्मित किया जा सकें। इसलिए निम्नलिखित शिक्षण पद्धति का उपयोग किया जा सकता है।

- व्याख्यान
- संवाद एवं बहस
- सामूहिक चर्चा
- कक्षाओं में पठन-पाठन की पद्धति
- परिवेश का सृजन
- अभिनय पद्धति का प्रयोग
- क्षेत्रीय अथवा परियोजना कार्य
- अध्ययन से संबंधित पर्यटन
- प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप देना
- लिखित परीक्षा
- आतंरिक मूल्यांकन
- शोध सर्वेक्षण
- वाद-विवाद
- दृश्य-श्रव्य माध्यम का प्रयोग

- आलोचनात्मक मूल्यांकन पर बल
- आई सी टी का उपयोग
- यू ट्यूब चौनल का प्रयोग
- तंत्रज्ञान द्वारापैराग्राफ लेखन
- रचनात्मक अभिव्यक्ति

मूल्यांकन पद्धति

सेमेस्टर के अनुसार परीक्षा परिणाम तैयार किये जाए। सेमेस्टर के अंतर्गत आतंरिक मूल्यांकन, सतत मूल्यांकन और सत्र के अंत में ली जानेवाली परीक्षा सम्मिलित हो। प्रत्येक सेमेस्टर में निर्धारित कोर्स के लिए प्रश्नपत्र 100 अंकों का हो। जिसमें 30 अंक आतंरिक मूल्यांकन और सत्रांत परीक्षा में 70 अंक निर्धारित है। आंतरिक मूल्यांकन में कक्षा में आयोजित की जानेवाली परीक्षा, मौखिक प्रस्तुतियाँ, संगोष्ठी,साक्षात्कार, लघु उत्तरीय प्रश्न और तकनीकी ज्ञान के परीक्षण के आधार पर मूल्यांकन किया जाना चाहिए। इस प्रकार विद्यार्थी का समग्र मूल्यांकन हो सकेगा। उक्त प्रश्नपत्र में तीन तरह के प्रश्न होने चाहिए बहुविकल्पीय, लघु उत्तरीय दीर्घ उत्तरीय, व्याख्या या संदर्भ। हिंदी साहित्य से संबंधित पाठ्यक्रम की संरचना का उद्देश्य यह है कि विद्यार्थी का क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक संदर्भों में सही मूल्यांकन किया जा सके ताकि उसका पारदर्शी और उचित ढंग से मूल्यांकन हो।

Model Question paper

- ✓ 10 प्रश्न बहुविक्लपीय
- ✓ 05 प्रश्न लघुउत्तरीय
- ✓ 04 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय
- ✓ 03 प्रश्न व्याख्या/संदर्भ

हिंदी के स्नातक पाठ्यक्रम की संरचना

Hindi/ Language/Major/Minor

भूमिका

संचार के माध्यम और संस्कृति एवं मूल्यों के वाहक के रूप में भाषा के दोहरे पहलू को चार/ पांच वर्ष के बहुविषयक एकीकृत स्नातक पाठ्यक्रम में अन्तर्निहित करने की आवश्यकता है। भाषा का अध्ययन शिक्षा व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण है। संचार के माध्यम के रूप में भाषा के महत्व को स्पष्ट और संक्षिप्त अभिव्यक्ति के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक, कार्यालयी, व्यावसायिक और वाणिज्य पर जोर देने की आवश्यकता है। ज्ञान के सभी क्षेत्रों के निर्माण और प्रसार और विषयों को जोड़ने के लिए संचार कौशल महत्वपूर्ण हैं। ग्रहणशील और उत्पादक कौशलों का शिक्षण और सीखना- सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना स्नातक बहुआयामी कार्यक्रम के तहत चार साल के दो साल के भाषा अध्ययन में प्रभावी ढंग से पढ़ाना है। भाषा के ध्वन्यात्मक, वाक्य-विन्यास और व्याकरण संबंधी पहलुओं को पाठ्यचर्या ढांचे में शामिल करना है। गद्य, कविता और नाटक जैसे साहित्य की विधाओं के माध्यम से भाषा के बारे में सीखते समय भाषा के सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं पर भी जोर दिया जाना चाहिए। भाषा सीखने का मतलब संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों के बारे में ही सीखना होता है। यदि भाषा लुप्त हो जाती है तो संस्कृति लुप्त हो जाती है। इसलिए इस संदर्भ में यह बहुत महत्वपूर्ण है कि भाषाओं को पुनर्जीवित, संरक्षित कर उनका प्रसार करना होता है। इसलिए, सभी प्रमुख / लघु (Major/Minor) विषयों की परवाह किए बिना भाषा का अध्ययन शैक्षिक लोकाचार के लिए महत्वपूर्ण है।

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम में, हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर) के लिए किया जाएगा। हिंदी का अध्ययन इसलिए आवश्यक है कारण हिंदी भारत की राजभाषा और संपर्क भाषा है। आज वह वैश्विक भाषा के रूप में फूल फल रही है। हिंदी आज हमारे राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संचार की भाषा बन रही है और वैश्विक महत्व को भी प्राप्त कर रही है। आज हिंदी अनुवाद के माध्यम से समस्त भारत की भाषाओं के साहित्य को एक सूत्र में जोड रही है। जिससे भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक समझ उत्पन्न हो सकती है। इस प्रकार

भाषा घटक चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम की एक प्रमुख विशेषता है। अतः चार वर्ष के बुहविषयक स्नातक अध्ययन के चार सेमेस्टर में साहित्यिक ग्रंथों के माध्यम से जीवन के सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं के साथ-साथ प्रभावी संचार सीखने पर ज़ोर दिया जाना चाहिए। इस संदर्भ में भाषा के माध्यम से विद्यार्थी को निम्नलिखित बिंदुओं में सक्षम बनाना चाहिए,

1. क्षमता वृद्धि (Ability Enhancement)

2. कौशल विकास (Skill Development)

3. व्यावसाय/ उद्यम (vocation)

क्षमता वृद्धि (Ability Enhancement) के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम को सम्मिलित किया जा सकता है, जैसे

प्रयोजनमूलक हिंदी, व्याकरण, अनुवाद, पत्राचार, निबंध लेखन, संक्षेपण, पल्लवन के साथ साथ सृजनात्मक साहित्य में कहानी, कविता, नाटक, उपन्यास आदि।

कौशल विकास (Skill Development) के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम को सम्मिलित किया जा सकता है, जैसे,

संभाषण कला, मीडिया लेखन, जनसंचार माध्यम, सामाजिक माध्यमों में ब्लॉग लेखन, चलचित्र लेखन आदि।

व्यावसाय/ उद्यम आधारित (vocational) के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम को सम्मिलित किया जा सकता है, जैसे

पटकथा तथा संवाद लेखन, पर्यटन और साहित्य, सोशल मीडिया और हिंदी, भाषा शिक्षण कौशल, विज्ञापन लेखन आदि।

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम
हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)
प्रस्तावित पाठ्यक्रम
B.COM Ability Enhancement Compulsory Course

Semester	AECC (L-3+T+1+P-0) 4 Hrs	Credit (L+3+T-1+P-0)
I	हिंदी गद्य की विधाएँ + व्याकरण	3
II	कहानी संग्रह + मीडिया लेखन	3
III	कविता संग्रह+ सरकारी पत्राचार, पारिभाषिक शब्दावली	3
IV	हिंदी नाटक + कंप्यूटर और हिंदी	3

I Semester- I Semester- **हिंदी गद्य की विधाएँ + व्याकरण**

Unit I- and Unit-2 हिंदी गद्य की विधाएं

Unit -3 and Unit-4 हिंदी व्याकरण

Pedagogy-

- व्याख्यान
- संवाद एवं बहस
- सामूहिक चर्चा
- कक्षाओं में पठन-पाठन की पद्धति
- परिवेश का सृजन

Expected course out come

- हिदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।
- गद्य के अध्ययन से रचनात्मक लेखन में रुचि उत्पन्न होगी।
- हिंदी व्याकरण के अध्ययन से हिंदी भाषा के शुद्ध स्वरूप को समझेंगे।
- भाषा कौशल का विकास होगा।

II Semester- **कहानी संग्रह + मीडिया लेखन**

Unit I- and Unit-2 कहानी संग्रह

Unit -3 and Unit-4 मीडिया लेखन

Pedagogy-

- व्याख्यान
- संवाद एवं बहस
- सामूहिक चर्चा
- समाचार पत्र में रिपोर्टिंग का अभ्यास

Expected Out Come

- हिंदी कहानी के स्वरूप को समझने की योग्यता निर्माण होगी।
- कहानी लेखन और पठन में रुचि निर्माण होगी।
- सोशल मीडिया में लेखन में योग्यता प्राप्त होगी।
- मीडिया लेखन के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।

III Semester- **कविता संग्रह+ सरकारी पत्राचार, पारिभाषिक शब्दावली**

- हिंदी कविता के अंतर्भाव को समझने की कला का निर्माण होगा।
- हिन्दी के काव्य साहित्य की परिपूर्ण जानकारी प्राप्त करेंगे।
- हिंदी पत्रव्यवहार से संबंधित सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
- सरकारी पत्र व्यवहार को लिखने और समझने का ज्ञान प्राप्त होगा।

IV Semester- **हिंदी नाटक + कंप्यूटर और हिंदी**

- अभिनय में रुचि उत्पन्न होगी।
- नाटक मंचन में रुचि निर्माण होगी।
- कंप्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग समझ पायेंगे।

****

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम
हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)
प्रस्तावित पाठ्यक्रम

B.B.A. Ability Enhancement Compulsory Course/SEC

Semester	AECC(L-3+T-1+P-0) 4 hrs	Credit (L-3+T-1+P-0)
I	हिंदी कहानी + हिंदी व्याकरण	3
II	हिंदी गद्य + प्रयोजन मूलक हिंदी	3
III	हिंदी कविता + समाचार लेखन और रिपोर्टिंग	3
IV	हिंदी नाटक साहित्य + पत्रलेखन और आलेखन	3

I Semester- **हिंदी कहानी + हिंदी व्याकरण**

Unit-1 and Unit-2 हिंदी कहानी

Unit-3 and Unit-4 हिंदी व्याकरण

Pedagogy

- व्याख्यान
- संवाद एवं बहस
- भाषा कौशल का विकास
- गतिविधि आधारित शिक्षण

Expected Out Come

- कहानी के पठन पाठन में रुचि उतपन्न होगी।
- कहानी-लेखन क्षमता का निर्माण होगा।
- भाषायी शुद्धता के प्रति रुचि निर्माण होगी।
- भाषा के प्रयोग में सक्षम होंगे।

II Semester - **हिंदी गद्य + प्रयोजन मूलक हिंदी**

Unit-1 and Unit-2 – हिंदी गद्य

Unit-3 and Unit-4 – प्रयोजनमूलक हिंदी

Pedagogy

- कक्षा व्याख्यान
- सामूहिक चर्चा
- गतिविधि आधारित कार्य
- परिवेश निर्माण

Expected out come-

- हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।
- हिंदी के गद्यकारों से परिचित होंगे।
- हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप को समझ पायेंगे।

III Semester - **हिंदी कविता + समाचार लेखन और रिपोर्टिंग**

- भाषायी सौंदर्य क समझ निर्माण होगी।
- कविता लेखन और पठन में रुचि निर्ण होगी।
- समाचार पत्रों के लिए रिपोर्टींग करने की क्षमता का निर्माण होगा।
- समचार लेखन में सक्षम होंगे।

IV Semester- **हिंदी नाटक साहित्य + पत्रलेखन और आलेखन**

- अभिनय-कौशल का निर्माण होगा।
- नाटक के मंचन में रुचि निर्माण होगी।
- पत्राचार लेखन की क्षमता निर्माण होगी।
- कार्योलयी पत्रों के लेखन का ज्ञान प्राप्त होगा।

****

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम
हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)
प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Model Programme Structure for UG Programme

B.C.A. : Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

Semester	AECC	Credit	Marks
I	हिंदी निबंध साहित्य + कार्यालयी हिंदी	3(L-3+T-1+P-0) 4 hrs	70 +30 =100
II	हिंदी कहानी साहित्य + प्रयोजनमूलक हिन्दी	3(L-3+T-1+P-0) 4 hrs	70 +30 =100
III	हिंदी कविता + कंप्यूटर अनुप्रयोग	3(L-3+T-1+P-0) 4 hrs	70 +30 =100
IV	हिंदी नाटक साहित्य + अंतर्जाल पर पत्रिकाएँ, चिट्ठा लेखन	3(L-3+T-1+P-0) 4hrs	70 +30 =100

I Semester- हिंदी निबंध साहित्य + कार्यालयी हिंदी

I Semester- हिंदी निबंध साहित्य + कार्यालयी हिंदी

Unit-1 and Unit-2 हिंदी निबंध साहित्य

Unit-3 and Unit-4 कार्यालयी हिंदी

Pedagogy

- व्याख्यान
- संवाद एवं बहस
- रचनात्मक अभिव्यक्ति
- परिवेश का सृजन
- गतिविधि आधारित शिक्षण

Expected Out Come

1. गद्य के तत्वों के आधार पर निबंध रचने की क्षमता प्राप्त होगी ।
2. छात्रों में पढ़ने की आदत का विकास होगा।
3. वाचन कौशल, लेखन कौशल एवं वक्तृत्व कौशल प्राप्त कर सकते हैं।
4. हिंदी पत्रव्यवहार से संबंधित सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
5. पत्र लेखन का स्वरूप समझकर व्यावहारिक जीवन में प्रयोग करने की क्षमता प्राप्त करते हैं ।

II Semester: हिंदी कहानी साहित्य + प्रयोजनमूलक हिन्दी

Unit-1 and Unit-2 हिंदी निबंध साहित्य

Unit-3 and Unit-4 कार्यालयी हिंदी

Pedagogy

- व्याख्यान
- संवाद एवं बहस
- कक्षाओं में पठन-पाठन की पद्धति
- परिवेश का सृजन
- गतिविधि आधारित शिक्षण

Expected Out Come

1. कहानी के तत्वों के आधार पर कहानी रचने की क्षमता प्राप्त कर सकते हैं ।
2. अपने सृजनात्मक विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने की क्षमता उत्पन्न होगी ।
3. हिन्दी के कथा साहित्य से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

4. प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रयोजनपरक स्वरूप की समझ निर्माण होगी।

III Semester- हिंदी कविता + कंप्यूटर अनुप्रयोग

1. कविता पढ़कर स्वयं कविता रचने की क्षमता प्राप्त करेंगे ।
2. हिन्दी के काव्य साहित्य की परिपूर्ण जानकारी प्राप्त करेंगे।
3. हिंदी पत्रव्यवहार से संबंधित सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
4. संगणीय क्षेत्र में हिंदी की भूमिका से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

IV Semester- हिंदी नाटक साहित्य + अंतरजाल पर पत्रिकाएँ, चिट्ठा लेखन

1. नाटक के तत्वों के आधार पर नाटक रचने की क्षमता प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिन्दी नाटक साहित्य के इतिहास की पूर्ण जानकारी प्राप्त करते हैं ।
3. अंतर्जाल में हिंदी की पत्रिकाओं तथा और हिंदी में चिट्ठा लेखन का कौशल प्राप्त कर सकते हैं।

****

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम
हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)
प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Model Programme Structure for UG Programme

B.S.C: Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

Semester	AECC/ Credit -3 (L-3+T-1+P-0) 4 hrs	Marks 70+30-100
I	हिंदी कहानी + प्रयोजनमूलक हिंदी	70 +30 -100
II	हिंदी कविता + अनुवाद कौशल	70 +30 -100
III	हिंदी नाटक साहित्य+ संचार माध्यम और हिंदी	70 +30 -100
IV	हिंदी लघु उपन्यास + भाषा के विविध रूप (कार्यालयी भाषा, मीडिया की भाषा, वाणिज्य की भाषा मशीनी भाषा)	70 +30 -100

Expected Course outcomes

I Semester: हिंदी कहानी + प्रयोजनमूलक हिंदी

I Semester - हिंदी कहानी + प्रयोजनमूलक हिंदी

Unit-1 and Unit-2 हिंदी कहानी

Unit-2 and Unit-3 प्रयोजनमूलक हिंदी

Pedagogy

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- कहानी पाठ
- रचनात्मक अभिव्यक्ति

- परिवेश निर्मिति

Expected out come

1. गद्य के तत्वों के आधार पर निबंध रचने की क्षमता प्राप्त करेंगे ।
2. छात्रों में पढने की आदत का विकास होगा।
3. वाचन कौशल, लेखन कौशल एवं वक्तृत्व कौशल प्राप्त कर सकते हैं।
4. व्याकरण से संबंधित सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

II Semester: हिंदी कविता + अनुवाद कौशल

II Semester: हिंदी कविता + अनुवाद कौशल

Unit-1 and Unit-2 हिंदी कविता

Unit-3 and Unit-4 अनुवाद कौशल

Pedagogy

- कक्षा व्याख्यान
- कविता पाठ
- अनुवाद का व्यावहारिक प्रयोग
- सामूहिक चर्चा

Expected out come

1. कहानी के तत्वों के आधार पर कहानी रचने की क्षमता प्राप्त कर सकते हैं ।
2. अपने सृजनात्मक विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का माहौल निर्माण होगा ।
3. हिन्दी के कथा साहित्य से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी केस्वरूप को समझ सकेंगे।।

III Semester: हिंदी नाटक साहित्य+ संचार माध्यम और हिंदी

1. कविता पढ़कर स्वयं कविता रचने की क्षमता प्राप्त करेंगे ।
2. हिन्दी के काव्य साहित्य की परिपूर्ण जानकारी प्राप्त करेंगे।

3. व्याकरण के नियम एवं प्रयोग समझकर व्यावहारिक जीवन में प्रयोग करने की क्षमता प्राप्त करेंगे ।
4. वाचन कौशल, लेखन कौशल एवं वकृत्व कौशल प्राप्त करेंगे।

IV Semester: हिंदी लघु उपन्यास + भाषा के विविध रूप (कार्यालयी भाषा, मीडिया की भाषा, वाणिज्य की भाषा मशीनी भाषा)

1. लघुउपन्यास के तत्वों के आधार पर पाठविश्लेषण क्षमता प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिन्दी उपन्यास साहित्य की पूर्ण जानकारी प्राप्त करते हैं ।
3. व्याकरण के नियम एवं प्रयोग समझकर व्यावहारिक जीवन में प्रयोग करने की क्षमता प्राप्त करते हैं ।
4. जनसंचार के माध्यमों में हिंदी की भूमिका को समझ सकते है और हिंदी लेखन कला का विकास हो सकता है।

****

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम
हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)
प्रस्तावित पाठ्यक्रम
Model Programme Structure for UG Programme
B.A/ B. Music/B.SW/ B.F.A/ Ability Enhancement Compulsory Course

Semester	AECC/ Credit- 3 (L-3+T-1+P-0) 4 hrs	Marks 70+30=100
I	हिंदी कहानी साहित्य + हिंदी व्याकरण	
II	हिंदी लघु उपन्यास + प्रयोजनमूलक हिंदी	
III	हिंदी निबंध संग्रह/जीवनी/आत्मकथा +अनुवाद कला	
IV	हिंदी खंडकाव्य+ पत्रलेखन और आलेखन	

I Semester- हिंदी कहानी साहित्य + हिंदी व्याकरण

Unit-1 and Unit-2 हिंदी कहानी साहित्य

Unit-3 and Unit-4 हिंदी व्याकरण

Pedagogy

कक्षा व्याख्यान
कहानी का पठन
गतिविधि आधारित शिक्षण
सामूहिक चर्चा

Expected Out come

- भाषायी कौशल का निर्माण होगा।
- भाषायी शुद्धता के प्रति सजगता निर्माण होगी
- कहानी के पठन पाठन में रुचि उत्पन्न होगी।

- कहानी लेखन की क्षमता उत्पन्न होगी।

II Semester - **हिंदी लघु उपन्यास + प्रयोजनमूलक हिंदी**

II Semester - **हिंदी लघु उपन्यास + प्रयोजनमूलक हिंदी**

Unit-1 and Unit-2 हिंदी लघु उपन्यास

Unit-3 and Unit-4 प्रयोजनमूलक हिंदी

Pedagogy

- कक्षा व्याख्यान
- कथा का पठन
- सामूहिक चर्चा
- परिवेश निर्मिति

Expected Out come

- भाषा के प्रयोजनमूलक स्वरूप को समझ पायेंगे।
- हिंदी के व्यावहारिक स्वरूप को समझ पायेंगे।
- रचनात्मकता में रुचि निर्माण होगी।

III Semester- **हिंदी निबंध संग्रह/जीवनी/आत्मकथा +अनुवाद कला**

- हिंदी गद्य के विविध विधाओं से परिचित होंगे।
- अनुवाद करने में सक्षम होंगे।

- अनुवाद के द्वारा अपने रोज़गार को प्राप्त कर सकते हैं।

IV Semester - हिंदी खंडकाव्य+ पत्रलेखन और आलेखन

- काव्य कला और भाषायी सौंदर्य के प्रति रुचि निर्माण होगी।
- हिंदी में पत्र व्यवहार का ज्ञान प्राप्त होगा।
- कार्यालयी पत्र लिखने की क्षमता निर्माण होगी।

****

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम
हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)
प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Model Programme Structure for UG Programme

Open Electives

B.A/B.S.C/B.COM/B.B.A/B.C.A

For all the stream across the discipline

Semester	Open Elective	Credit (L+3+T-1+P-0) 4 hrs	Marks 70+30=100
I	संभाषण कला/ पर्यावरण संबंधी हिंदी साहित्य	3	
II	हिंदी भाषा और साहित्य का सामान्य परिचय / भूमंडलीकरण और हिंदी साहित्य	3	
III	अनुवाद कौशल / साहित्येतर विद्वानों की जीवनी या आत्मकथा साहित्य	3	
IV	सोशल मीडिया और हिंदी/ चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास	3	

I Semester- संभाषण कला / पर्यावरण संबंधी हिंदी साहित्य

I Semester- संभाषण कला/ पर्यावरण संबंधी हिंदी साहित्य

Pedagogy

- कक्षा व्याख्यान
- वार्तालाप
- समूह चर्चा
- परिवेश निर्माण
- ICT का उपयोग
- यू ट्यूब का प्रयोग
- भिन्न भिन्न स्थानोंपर वार्तालाप का अभ्यास

Expected Out come

1. छात्रों में अंतर्निहित संप्रेषण एवं बोलने की कला का विकास होगा।
2. लिखने की कला में निपुणता हासिल होगी।
3. व्यक्तित्व का निरूपण संभाषण कला का आधार होता है, उस कला में विकास होगा।
4. छात्रों में पर्यावरण प्रदूषण के प्रति चेतना उत्पन्न होगी।
5. जल- जंगल के बचाव हेतु समर्पण की भावना का विकास होगा।
6. छात्र कविता को पढकर स्वंय कविता रचने की क्षमता प्राप्त कर सकता हैं।

II Semester- हिंदी भाषा और साहित्य का सामान्य परिचय / भूमंडलीकरण और हिंदी साहित्य

Pedagogy

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- परिवेश निर्माण
- ICT का प्रयोग

Expected Out Come

1. छात्रों को हिंदी साहित्य के प्रति रूची उत्पन्न होगी।
2. राष्ट्रीय चेतना से संपृक्त रचनाओं को पढकर देशभक्ति संबंधी गुणों का विकास होगा।
3. साहित्यकारों के जीवन सघर्ष से परिचित होना और स्वयं को हर परिस्थिति का सामना करने की क्षमता प्राप्त होगी।
4. भूमडंलिकरण संबंधी सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
5. वैश्विक स्तर पर होनेवाले परिवर्तनों को हासिल कर सकते है।

III Semester- अनुवाद कौशल / जीवनी या आत्मकथा साहित्य

1. छात्रों में अनुवाद कौशल का विकास होगा।
2. अनुवाद कला द्वारा बेरोजगारी की समस्या से मुक्त हो सकते हैं।
3. विविध भाषाओं के साहित्य में नीहित मूल उद्देश को जान सकते है।
4. भाषा के चारों कौशलों का विकास होता है।
5. आधुनिक संदर्भ में विज्ञान एंव तकनीकी के महत्व को प्राप्त कर सकते हैं।
6. प्रमुख वैज्ञानिकों के जीवनी या आत्मकथा को पढ़कर स्वयं के व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं

IV Semester- सोशल मीडिया और हिंदी/ चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास

1. छात्र सोशल मीडिया के महत्व को जान सकेगें।
2. हिंदी भाषा के अध्ययन से अपने भविष्य का निर्माण कर सकेगें।
3. स्वयं के चरित्र निर्माण द्वारा समाज को विकास के पर अग्रसर कर सकेगें।
4. आदर्श समाज के स्थापना में स्वयं की भागीदारी को अंकित कर सकेगें।

****

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम
हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)
प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Model Programme Structure for UG Programme

Skill Enhancement Course (SEC)

B.A/B.EC/B.COM/B.B.A/B.C.A

Sem	Skill Enhancement course (SEC)	Credit L-1+T-01+P-2)	Marks 70+30-100
V	समाचार संकलन और विज्ञापन लेखन/ / अनुवाद /पटकथा और संवाद लेखन/ सृजनात्मक लेखन	2	

Pedagogy

- व्यावाहरिक कोशल का निर्माण
- दृश्य श्रव्य माध्यम का प्रयोग
- अनुवाद के लिए व्यावहारिक अभ्यास
- रचनात्मक अभिव्यक्ति

Expected Course Out Comes

1. छात्रों में विषय संकलित करने की क्षमता का विकास हो सकता है।
2. लेखन कला का विकास हो सकता है।
3. प्रभावात्मक भाषा का प्रयोग करने की क्षमता आ सकती है।
4. चलचित्र लेखन एंव निर्माण करने की क्षमता का विकास हो सकता है।
5. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन द्वारा छात्र सिनेमा, धारावाहिक,पटकथा आदि के लिए संवाद लेखक बनने की क्षमता हासिल कर सकता है।

6. सृजनात्मक लेखन का विकास संभव है,कवि, कहानिकार, नाटकका बन सकता है।

****

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम
हिंदी भाषा /साहित्य का अध्ययन
प्रस्तावित पाठ्यक्रम
Model Curriculum Structure for
Vocational

Sem	Vocational	Credit-3 (L-3+T-1+P-0)	Marks 70+30= 100
V	VOCATIONAL-1 पटकथा और संवाद लेखन/ संपादन कला/ कंप्यूटर अनुप्रयोग	3	
VI	VOCATIONAL-2 मीडिया लेखन/ अंतर्जाल और चिट्ठा जगत/ जिंगल और विज्ञापन लेखन	3	

Pedagogy

- व्यावाहरिक कोशल का निर्माण
- दृश्य श्रव्य माध्यम का प्रयोग
- अनुवाद के लिए व्यावहारिक अभ्यास
- रचनात्मक अभिव्यक्ति
- रिपोर्टिंग का अभ्याय
- भाषायी कौशल का विकास

Expected Course Out Comes

1. छात्रों का समग्र विकास संभव है।
2. चलचित्र, सिनेमा,धारावाहिक, संवाद पटकथा लेखक बन सकते हैं।

3. किसी भी साहित्यिक या व्यवसायिक पत्रिका का संपादन कर सकते हैं।
4. संपादक का कार्य करते समाज का नेतृत्व कर सकते हैं।
5. संगणक की कुशलता से दूसरों का पथप्रदर्शक बन सकते हैं ।
6. स्वंय के साथ दूसरों को बेरोजगारी से मुक्त कर सकते हैं।
7. मीडिया लेखन द्वारा समाज को सही दिशा दे सकते हैं।
8. स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना योगदान देने में समर्थ बन सकेगें।

****

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम
हिंदी भाषा /साहित्य का अध्ययन

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
Model Curriculum Structure for
B.A, (Basic/Honours)/ M.A
Discipline (Core) DSC / Discipline Elective (DSE)

Sem.	Discipline (Core)	Credit-3 (L-3+T-1+P-0)	Marks 70+30=100	
I	Discipline (Core) A1 /B1 कथा साहित्य	3 Credit Marks- 70+30=100		
	Discipline (Core) A2/B2 हिंदी व्याकरण	3 Credit Marks- 70+30=100		
II	Discipline (Core) A3/B3 आधुनिक हिंदी काव्य	3 Credit Marks- 70+30=100		
	Discipline (Core) A4 /B4 प्रयोजनमूलक हिंदी	3 Credit		

		Marks- 70+30=100		
Exit Option with certificate				
III	Discipline (Core) A5 /B5 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)	3 Credit Marks- 70+30=100		
	Discipline (Core) A6/B6 नाटक तथा रंगमंच (एक नाटक और एकांकी संग्रह)	3 Credit Marks- 70+30=100		
IV	Discipline (Core) A7 /B7 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	3 Credit Marks- 70+30=100		
	Discipline (Core) A8 /B8 हिंदी साहिंत्यिक निबंध	3 Credit Marks- 70+30=100		
Exit Option with Diploma				
V	Discipline (Core) A9 भाषा और भाषा का इतिहास	4 Credit Marks- 70+30=100	DSE A-1 कर्नाटक संस्कृति और साहित्य/ हिंदी नीति काव्य	3 Credit Marks- 70+30=100
	Discipline (Core) A10 छायावादोत्तर काव्य	4 Credit Marks- 70+30=100	VOCATIONAL-1 पटकथा और संवाद लेखन/ संपादन कला	3 Credit (L-3+T-0+P-0)
	Discipline (Core) B 9 अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग	4 Credit Marks- 70+30=100		
VI	Discipline (Core) A-11 साहित्य शास्त्र, छंद और अलंकार	4 Credit Marks- 70+30=100	DSE A-2 विशेष रचनाकार का अध्ययन/ मध्यकालीन कविता	3 Credit

	Discipline (Core) A-12 राष्ट्रीय चेतना और हिंदी साहित्य	4 Credit Marks- 70+30=100	VOCATIONAL-2 मीडिया लेखन/ अंतर्जाल और चिट्ठा जगत	3 Credit (L-3+T-0+P-0)
	Discipline (Core) B10 संपादन कला और प्रकाशन व्यवस्थापन	4Credit Marks- 70+30=100		
Exit Option with Basic Degree				
VII	Discipline (Core) A-13 हिंदी पत्रकारिता	4 Credit (L-4+T-1+P-0) Marks- 70+30=100	DSE – A -3 अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग / तुलनात्मक साहित्य	3 Credit (L-3+T-0+P-0) Marks- 70+30=100
	Discipline (Core) A-14 हिंदी आलोचना और आलोचक	4 Credit (L-4+T-1+P-0)	DSE A-4 पर्यावरण और हिंदी साहित्य/ प्रवासी साहित्य	3 Credit (L-3+T-0+P-0)
	Discipline (Core) A-15 भारतीय काव्यशास्त्र	3Credit (L-3+T-1+P-0	Res. Methodology	3 Credit (L-3+T-0+P-0)
VIII	Discipline (Core) A-16 भारतीय साहित्य	4 Credit (L-4+T-1+P-0)	DSE A-5 स्त्री लेखन/दलित लेखन	3 Credit (L-3+T-0+P-0

	Discipline (Core) A-17 लोक साहित्य	4 Credit (L-4+T-1+P-0)	Research Project/ DSE A-6 सिनेमा और साहित्य DSE-A-7 दक्षिण का हिंदी साहित्य Internship प्रूफ रीडिग/	6 Credit
	Discipline (Core) A-18 भाषा विज्ञान	3 Credit (L-3+T-1+P-0)		
Exit option with Award of Bachelor of Arts Honours (M.A.) Total credit -40				
IX	DSC – कथेतर हिंदी साहित्य	4 Credit	DSE -हिंदी साहित्य की विशेष विधा (उपन्यास/नाटक/ प्रबंध काव्य)	4 Credit
	DSC - शैली विज्ञान	4 Credit	हिंदी साहित्य का सौंदर्य शास्त्र/ हिंदी साहित्य और प्रौद्योगिकी	4 Credit
	DSC- DSC- प्राचीन तथा मध्यकालीन हिंदी काव्य (पृथ्वीराज रासो, विद्यापति, अमीर खुसरों, कबीर, जायसी, तुलसी, सुर. बिहारी, घनानंद)	4 Credit		
X	DSC- पाश्चात्य काव्य शास्त्र	4 Credit	बाल साहित्य/ भाषा शिक्षण/	3
	DSC- हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	4 Credit	Research Project	6
	DSC- समकालीन हिंदी साहित्य	3 Credit		

Pedagogy-

- व्याख्यान
- संवाद एवं बहस

- सामूहिक चर्चा
- कक्षाओं में पठन-पाठन की पद्धति
- परिवेश का सृजन
- अभिनय पद्धति का प्रयोग
- क्षेत्रीय अथवा परियोजना कार्य
- अध्ययन से संबंधित पर्यटन
- प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप देना
- लिखित परीक्षा
- आतंरिक मूल्यांकन
- शोध सर्वेक्षण
- वाद-विवाद
- दृश्य-श्रव्य माध्यम का प्रयोग
- रचनात्मक अभिव्यक्ति
- ICT का प्रयोग

I Semester- DSC- A1 कथा साहित्य

Expected Out Come

- साहित्य के प्रति रुचि विकसित करना।
- कहानी में निहित भावों, विचारों, नैतिक मूल्यों को ग्रहण करने की क्षमता विकसित करना।
- सृजनात्मक शक्ति का विकास करना।
- शब्द, सूक्ति, मुहावरें आदि के भंडार को समृद्ध करना।
- एकाग्रता को विकसित करना।
- कहानी की रचनाशीलता का विकास करना ।
- कल्पना और स्मरण शक्ति का विकास करना।

DSC A 2 हिंदी व्याकरण

व्याकरण की शिक्षा,भाषा की शिक्षा का आवश्यक अंग है। यह भाषा रूपी रथ का सारथी है। यह भाषा का स्वरूप बनाता है एवं उस पर नियंत्रण रखता है। यह भाषा का मित्र भी है। यह उसे सच्चे रास्ते पर चलने की प्रेरणा प्रदान करता है। अतः इसके अध्ययन से

- विद्यार्थियों को विविध ध्वनियों का ज्ञान प्राप्त होगी
- व्याकरण के द्वारा विद्यार्थियों में रचना एवं सृजनात्मक प्रवृत्ति का विकास होगा।
- विद्यार्थियों को शुद्ध भाषा का प्रयोग करने में सक्षम होंगे।
- कम से कम शब्दों में शुद्धतापूर्वक अपने भावों को व्यक्त कर सकेंगे। साथ ही उनमें ऐसी योग्यता पैदा होगी जिससे वे भाषा की अशुद्धता को भी समझ सकेंगे एवं उनमें भाषा को परखने की शक्ति का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों को शुद्ध बोलने, लिखने एवं पढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।
- विद्यार्थियों में ऐसी योग्यता पैदा करना जिससे कि वे भाषा की अशुद्धता को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थियों को भाषा से संबंधित नियमों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- भाषा को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखने में प्रवीण बनेंगे।

II Semester- DSC- A3 आधुनिक हिंदी कविता

Expected Out Come

- कविता में रुचि उत्पन्न होगी।
- गति लय भावयुक्त वाचन की योग्यता उत्पन्न होगी।
- कल्पना शक्ति को उत्पन्न होगी।
- सौंदर्यानुभूति की क्षमता का निर्माण होगा।
- रस छंद अलंकार से परिचित होंगे।
- विविध भावों से युक्त कविता को समीक्षात्मक दृष्टि का निर्माण होगा।

DSC-A4 प्रयोजनमूलक हिंदी

Expected Out Come

प्रयोजनमूलक हिंदी एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम है। भूमंडलिकरण के दौर में विश्व मंच पर हिंदी की मांग में आशातित वृद्धि हुई है अतः हिंदी केवल भारत तक ही सीमित नहीं है

बल्कि हर क्षेत्र चाहे वह सरकारी हो या कारपोरेट जगत सभी क्षेत्रों में हिंदी की मांग बढ़ रही है। इस दृष्टि से प्रयोजनमूलक हिंदी पाठ्यक्रम में है। जिसके अध्ययन से,

- प्रयोजनमूलक हिंदी का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।
- प्रयोजनमूलक हिंदी और उनके माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग कर सकेंगे।
- प्रयोजनमूलक हिंदी की सैद्धान्तिक समझ निर्माण होगी।
- प्रयोजनमूलक हिंदी के विश्लेषण की क्षमता निर्माण होगी।
- हिंदी भाषा के विविध प्रयोजन से अवगत होंगे।
- संविधान में राजभाषा हिंदी के प्रावधानों को समझ सकेंगे।

III Semester - DSC- A5 **हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)**

Expected out Come

- हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणातमक ज्ञान का निर्माण होगा।
- इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त होगा।
- इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी।
- हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों के विश्लेषणात्मक अध्ययन की समझ विकसित होगी।
- हिंदी साहित्य के प्राचीन तथा मध्यकालीन परिस्थितियों की जानकारी मिलेगी।
- प्रत्येक काल के कवियों के व्यक्तित्व, कृतित्व और योगदान का ज्ञान प्राप्त होगा।

DSC- A 6 **नाटक तथा रंगमंच**

Expected out Come

साहित्य की अन्य विधाओं में नाटक एक महत्त्वपूर्ण विधा है। जिसके माध्यम से न सिर्फ साहित्यिक अभिक्षमता का विकास होता है, बल्कि इस एक विधा से अन्याय विधाओं जैसे कविता, कहानी का कल्पना लोक भी जुडता है। नाटक की विषय-वस्तु कहानी बुनने की कला में पारंगत करती है। इसके अध्ययन से,

- मौखिक वाचन और लेखनशक्ति का विकास होगा।
- भावनाओं का उदात्तिकरण और उनका व्यक्तित्व निर्माण में सहयोग मिलेगा।
- विवेक सम्पन्नता और भावनात्मक अभिव्यक्ति को सही दिशा और दृष्टि निर्माण होगी।

- नाटक की अभिनेयता से जुडकर साहित्य की अन्य विधाओं से ज्ञान अर्जित करेंगे।
- जीवन जगत तथा साहित्य के प्रति नवीन सौन्दर्यानुभूति उत्पन्न होगी।
- नैतिक मूल्यों के विस्तार से वैश्विक मूल्यों का निर्माण होगा।
- जीवन दर्शन के प्रति नयी दृष्टि का निर्माण होगा।

IV Semester- DSC- A 7 **हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**

Expected out Come

- आधिनिक हिंदी गद्य और पद्य की विकासक्रम का ज्ञान होगा।
- आधुनिक काल की विविध परिस्थितियों से परिचित होंगे।
- आधुनिक काल के विभिन्न आंदोलन के कारणों की समझ सकेंगे।
- आधुनिक काल के भिन्न भिन्न कवि, लेखकों, पत्रकारों का परिचय प्राप्त करेंगे।

DSC- A **8 साहित्यिक निबंध**

Expected out Come

- निबंध साहित्य में के योगदान के बारे में जानकारी मिलेगी।
- निबंध की विभिन्न शैलियों की समझ विकसित होगी।
- निबंधों को विश्लेषणत्मक अध्ययन कर सकेंगे।
- भाषिक तत्वों का ज्ञान मिलेगा।
- पाठ के अंतर्गत भाव विचारों को समझ पायेंगे।
- विचार विश्लेषणात्मक और समीक्षात्मक दृष्टि निर्माण होगी।
- अभिव्यक्ति, प्रमुख भावों और विचारों को व्यक्त करने की योग्यता का विकास करना।

V Semester

DSC- A9 भाषा और **भाषा का इतिहास**

Expected out Come

- विभिन्न बोलियों की समझ विकसित होगी।

- हिंदी भाषा के इतिहास के विकास क्रम का ज्ञान प्राप्त होगा।
- भाषा विश्लेषण की समझ निर्माण होगी।

DSC- A10 **समकालीन साहित्य**

Expected out Come

- समकालीन साहित्य की संकल्पना और अवधारणा को समझ पायेंगे।
- समकालीन संदर्भों, परिस्थितियों आदि के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।
- समकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों को समझ पायेंगे।
- समकालीन कवियों, लेखकों और कृतियों को समझने की क्षमता निर्माण होगी।
- समकालीन साहित्य का विश्लेषण की क्षमता निर्माण होंगे।

DSC- B-9 **अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग**

Expected out Come

- अनुवाद की सैद्धान्तिक समझ विकसित होगी।
- अनुवाद के क्षेत्रों की समझ विकसित होगी।
- अनुवाद जगत के विश्लेषण की क्षमता निर्माण होगी।
- अनुवाद के व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि होगी।
- अनुवाद की उपयोगिता को समझ पायेंगे।
- ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद करने कुशल होंगे।

DSE-A1 **कर्नाटक संस्कृति और कन्नड साहित्य**

Expected out Come

- कर्नाटक प्रदेश की जानकारी प्राप्त होगी।
- कर्नाटक सी संस्कृति का परिचय मिलेगा।
- कन्नड साहित्य के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।

- कर्नाटक का संगीत, शिल्पकला तथा वास्तुकला से परिचित होंगे।
- कर्नाटक की धार्मिक परंपरा, कर्नाटक के दर्शनीय स्थानोंं के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।
- कर्नाटक की लोक कलाओं से परिचित होंगे।

DSE-A1 हिंदी नीति काव्य

Expected out Come

- नीति के अर्थ और स्वरूप को समझ पायेंगे।
- नीतिकाव्य परंपरा से परिचित होंगे।
- मध्ययुगीन नीति साहित्य की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- नीति काव्य परंपरा में कवियों और लेखकों के स्थान एवं योगदान को समझ पायेंगे।

VI SEMESTER-

DSC- A11 साहित्य शास्त्र, छंद और अलंकार

Expected out Come

- साहित्य के सैद्धान्तिक अध्ययन की समझ निर्माण होगी।
- काव्य की परिभाषा, लक्षण, आत्मा और प्रयोजन को समझ पायेंगे।
- भारतीय काव्य शास्त्र की विश्लेषणात्मक समझ विकसित होगी।
- कृतियों के विश्लेषण हेतु भारतीय चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा।
- भारतीय काव्यशास्त्रीय चिंतन की समझ विकसित होगी।
- भारतीय काव्य शास्त्र की जानकारी से आलोचनात्मक चिंतन का निर्माण होगा।
- पाश्चात्य काव्य शास्त्र की विश्लेषणात्मक समझ विकसित होगी।
- भाषा , कला की आवश्यकता और जीवन के बीच आलोचनात्मक संबंध निर्माण करने की क्षमता निर्माण होगी।
- कृतियों के विश्लेषण हेतु भारतीय चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा।

DSC- A-12 राष्ट्रीय चेतना और हिंदी साहित्य

Expected out Come

- भारत के राष्ट्रीयता को समझ पायेंगे।
- देश के स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास को समझ पायेंगे।
- हिंदी के साहित्यकारों के राष्ट्रीय योगदान को समझ पायेंगे।
- राष्ट्रीय चेतना के स्वरूप को समझ पायेंगे।
- राष्ट्र के प्रति प्रेम और गर्व की भावना उत्पन्न होगी।

DSC- B-10 संपादन कला और प्रकाशन व्यवस्थापन

Expected out Come

- संपादन की प्रक्रिया को समझ पायेंगे।
- संपादन के महत्व को समझ पायेंगे।
- संपादक के दायित्व एवं गुणों को समझ पायेंगे।
- संपादकीय लिखने में सक्षम होंगे।
- प्रकाशन व्यवस्थापन के तत्वों एवं कार्य को समझ पायेंगे।

DSE- A 12 –विशेष रचनाकार

Expected out Come

- किसी कवि या लेखक का गहन अध्ययन कर सकेंगे।
- विशेष कवि या लेखक की कृतियों से परिचित होंगे।
- उनका काल, प्रवृतियाँ, धारणाएं, परिस्थितियों को समझ पायेंगे।
- साहित्य की किसी एक विधा को गहनता से अध्ययन कर पायेंगे।

DSE-A12- मध्यकालीन कविता

Expected out Come

- मध्यकालीन साहित्यिक परिस्थितियों को समझ पायेंगे।
- मध्यकाल के संत एवं भक्त कवियों के भाव विचार को समझ पायेंगे।
- मध्यकालीन भाषायी सौंदर्य को समझ पायेंगे।

DSC- A-13 हिंदी पत्रकारिता

Expected out Come

- हिंदी पत्रकारिता के इतिहास का ज्ञान मिलेगा।
- पत्रकारिता के विविध रूपों की समझ निर्माण होगी।
- पत्रकारिता की सैद्धान्तिकी की समझ उत्पन्न होगी।
- पत्रकारिता जगत के विश्लेषण की समझ उत्पन्न होगी।

DSC-13 भारतीय साहित्य

Expected out Come

- भारतीय साहित्य की अवधारणा की समझ विकसित होगी.
- भारतीय साहित्य की विविध विधाओं में रचित साहित्य के विश्लेषण की समझ विकसित होगी.
- भारतीय साहित्य के समान तत्वों की समझ विकसित होगी.
- तुलनात्मक अध्ययन के महत्व, स्वरूप एवं उपयोगिता को समझ पायेंगे।

DSC-14- भाषा विज्ञान

Expected out Come

- भाषा विज्ञान से संबंधित विश्लेषण की समझ विकसित होगी।
- भाषा की विशेषताओं और उपांगों का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- भाषा विज्ञान की शाखाओं के अध्ययन के द्वारा भाषा व्यवहार, संप्रेषण आदि का ज्ञान प्राप्त होगा।
- भाषा के सामाजिक विश्लेषण की श्रमता निर्माण होगी
- हिंदी भाषा के विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।

DSE= A-3 अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग

Expected out Come

- अनुवाद की सैद्धान्तिक समझ विकसित होगी।
- अनुवाद के क्षेत्रों की समझ विकसित होगी।
- अनुवाद जगत के विश्लेषण की क्षमता निर्माण होगी।
- अनुवाद के व्यावहारिक ज्ञान में वृद्दि होगी।
- अनुवाद की उपयोगिता को समझ पायेंगे।
- ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद करने कुशल होंगे।

DSE-A 3- तुलनात्मक साहित्य

Expected out Come

- दो या अधिक भिन्न भाषायी, राष्ट्रीय या सांस्कृतिक समूहों के साहित्य का अध्ययन का लाभ होगा।
- तुलना के सौद्धान्तिक स्वरूप को समझ पायेंगे।
- साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन व्यापक दृष्टि प्राप्त होगी।
- कला, इतिहास, समाज विज्ञान, धर्मशास्त्र आदि ज्ञान के क्षेत्रों के आपसी सम्बन्धों को समझ पायेंगे।

DSE-A-4- लोक साहित्य

Expected out Come

- लोक की अवधारणा को समझ पायेंगे।
- लोक संस्कृति और मौखिक साहित्य को समझ पायेंगे।
- भाषायी सोंदर्य को समझ पायेंगे।
- लोक साहित्य के संग्रह की आवश्यकता और उसके महत्व को समझ पायेंगे।

DSE-A-4 - प्रवासी साहित्य

Expected out Come

- वैश्विक हिंदी साहित्य के स्वरूप को समझ पायेंगे।
- हिंदी की चुनौतियों का समझ पायेंगे।
- अभिव्यक्ति के वैश्विक स्वरूप को समझ पायेंगे।
- प्रवासी साहित्य में भारतीयता को समझ पायेंगे।

Research Methodology

Expected out Come

- साहित्य की विभिन्न शाखाओं में शोध करना।
- ज्ञान विज्ञान की विभिन्न शाखाओं को साहित्य पर लागु कर शोध के नवीन आयमों का प्राप्त करना।
- वर्तमान अनुसंधान और अनुसंधान तकनीकों और कार्यप्रणाली का गंभीर रूप से मूल्यांकन करने की क्षमता का निर्माण।
- समस्याओं से निपटने और सुलझाने की क्षमता का निर्माण होगा।
- अंतरशासकिय अध्ययन कर सकेंगे।
- शोध का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।
- प्रासंगिक समस्याओं और मुद्दों, विश्लेषण, प्रक्रिया और प्रणालीगत डेटा तैयार करनेे सक्षम होंगे।
- वैज्ञानिक परिणामों की तुलना करके अपनी परियोजनाओं को पूरा करने में सक्षम होंगे।
- समस्याओं के विश्लेषण और एक वैज्ञानिक तरीका और एक गहरी विषय-उन्मुख समझ निर्माण होगी है।

Research Project

Expected Out Come

- शोधाध्ययन के विषय के विश्लेषण की समझ निर्माण होगी।
- शोध कार्य करने की क्षमता का निर्माण होगी।

Pedagogy (शिक्षण प्रविधि)

- चर्चा परिचर्चा
- प्रस्तुति
- सेमिनार
- प्रत्येक शोधार्थी के लिए नियत समय के अंतर्गत अपने अनुसंधान क्षेत्र से संबंधित साहित्य का शोधाध्ययन

उक्त पेपर में प्रत्येक छात्र को अपने अनुसंधान क्षेत्र से संबंधित विषय को चुनना होगा और उस विषय का समग्र अध्ययन करना होगा। उसी विषय पर शोधसामग्री तैयार करनी होगी और अपने विषय पर आलेख प्रस्तुत करना होगा।

IX Semester-

DSC - कथेतर हिंदी साहित्य

Expected Out come

- हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।
- कथासाहित्य के अलावा हिंदी की रचनात्मकता को समझ पायेंगे।
- निबंध, जीवनी आदि लेखन में रुचि निर्माण होगी।
- हिंदी साहित्य के प्रमुख साहित्यकारों से परिचित होंगे।

DSC- शैली विज्ञान

Expected out Come

- शैली विज्ञान और भाषा विज्ञान के आपसी संबंध को समझ पायेंगे।
- अर्थ संप्रेषण और विचलन की प्रक्रिया को समझ पायेंगे।
- भाषा के विभिन्न स्वरूप को समझ पायेंगे।
- साहित्य का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन करने में सक्षम होंगे।

DSC- प्राचीन तथा मध्यकालीन काव्य

Expected out Come

- हिंदी साहित्य के प्राचीन तथा मध्यकालीन युगीन परिस्थितियों को समझ पायेंगें।
- हिंदी के प्रमु कवियों के काव्यगत सौंदर्य को समझ पायेंगे।
- हिंदी की संत तथा भक्ति परंपरा को समझ पायेंगे।
- प्राचीन तथा मध्यकालीन भाषा से परिचित होंगे।

DSE – हिंदी साहित्य की विशेष विधा (उपन्यास/नाटक/प्रबंध काव्य)

Expected out Come

- विधागत स्वरूप को समझ पायेंगे।
- प्रमुख कवि/लेखक के भाषायी विशेषता से परिचित होगें।
- विधागत साहित्य के को गहराई से समझ पायेंगे।

DSE – **हिंदी साहित्य का सौदर्य शास्त्र**

Expected out Come

- कृतियों की कलात्मकता क जान पायेंगे।
- कृति में निहित रहने वाले सौंदर्य का तात्विक, दार्शनिक और मार्मिक विवेचन करने में सक्षम होंगे।
- कृति के भाव और स्वरूप का विवेचन कर सकेंगे।
- जीवन की अन्यान्य अनुभूतियों के साथ उसका समन्वय स्थापित कर सकेंगे।।

DSE – **हिंदी साहित्य और प्रौद्योगिकी**

Expected out Come

- नई तकनीक से परिचित होंगे।
- प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी साहित्य के स्तर और महत्व को समझ पायेंगे।
- संगणक के द्वारा हिंदी साहित्य के विस्तार को समझ पायेंगे।
- छात्र स्वयं अपने पोर्टल पर हिंदी साहित्य को अपलोद कर सकते हैं।

X Semester

DSC **– पाश्चात्य काव्य शास्त्र**

Expected out Come

- चिंतन के नए आयामों से परिचित होंगे।
- कृति का विश्लेषण करने की भिन्न भिन्न पद्धतियों से परिचित होंगे।
- विद्वानों की भिन्न विचारधारा को समझ सकेंगे।
- पाश्चात्य सिद्धान्तों को समझ सकेंगे।

DSC- हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

Expected out Come

- साहित्य सृजन के संदर्भ में विचारधारा के महत्व को समझ पायेंगे
- हिंदी साहित्य से संबंधित विशिष्ट मतवादों से परिचित होंगे।
- आधुनिकता बोध औऱ औद्योगिक संस्कृति को समझ पायेंगे।
- राष्ट्रीय आंदोलन के संदर्भ में पुनर्जागरण और लोक जागरण को समझ पायेंगे।
- विभिन्न विमर्शों, आंदोलनों, वादों आदि से परिचित होंगे।

DSC- समकालीन हिंदी साहित्य

Expected out Come

- हिंदी साहित्य के समकालीन परिवेश और प्रवृत्तियों को समझ पायेंगे।
- समकालीन हिंदी साहित्य के प्रमुख साहित्यकारों से परिचित होंगे।
- समकालीन वैचारिकी को समझ पायेंगे।
- समकालीन साहित्य की प्रमुख विधाओं को लेखन से परिचित होंगे।

DSE- बाल साहित्य

Expected out Come

- बाल मनोविज्ञान को समझ पायेंगे।
- बाल साहित्य के भाषागत स्वरूप को समझ पायेंगे।
- बाल साहित्य लिखने में रुचि निर्माण होंगी।

DSE- भाषा शिक्षण

Expected out Come

- भाषा के चारों कौशलों को समझ पायेंगे।
- सुसंगत लेखन का विकास होगा।
- सरल शुद्ध और प्रभावशाली भाषा में अपने विचारों को अभिव्यक्त करने में सक्षम होंगे।

- भाषा की भिन्न भिन्न भूमिकाओं को जान सकेंगे।
- सृजनात्मकता में रुचि निर्माण होगी।

Research Project

Expected Out Come

- शोधाध्ययन के विषय के विश्लेषण की समझ निर्माण होगी।
- शोध कार्य करने की क्षमता का निर्माण होगी।

Pedagogy (शिक्षण प्रविधि)

- चर्चा परिचर्चा
- प्रस्तुति
- सेमिनार
- प्रत्येक शोधार्थी के लिए नियत समय के अंतर्गत अपने अनुसंधान क्षेत्र से संबंधित साहित्य का शोधाध्ययन

****